

अकड़ना अ.क्रि. (देश.) 1. सूखकर कठोर या टेढ़ा हो जाना, ऐंठना 2. ऐंठ दिखलाना, शेखी बघारना।

अकड़बाज वि. (देश.) अकड़ दिखाने वाला, शेखी बघारने वाला, अकड़ी।

अकड़बाजी स्त्री. (देश.+फा.) अकड़ या ऐंठ दिखलाने का भाव।

अकड़ाव पुं. (देश.) अकड़े हुए होने की अवस्था या भाव, ऐंठन।

अकड़ू वि. (देश.) दे. अकड़बाज।

अकत वि. (तद्.) दे. अक्षत।

अकती स्त्री. (तद्.) दे. अक्षय तृतीया।

अकत्यन वि. (तद्.) घमंड से दूर, अभिमान-रहित, दर्पहीन।

अकथ वि. (तद्.) 1. अकथ्य, अकथनीय, जिसे कहा न जा सके 2. जिसे वाणी से कहना संभव न हो 3. असत्य, झूठा।

अकथनीय वि. (तद्.) 1. न कहने योग्य, अकथ्य 2. जिसे कहा न जा सके, अवर्णनीय।

अकथित वि. (तद्.) जो कहा न गया हो।

अकथ्य वि. (तद्.) दे. अकथनीय।

अकथक पुं. अनु. 1. अनिष्ट का भय, आशंका 2. असमंजस, अनिर्णय की स्थिति 3. सोच-विचार।

अकना अ.क्रि. (तद्.) ऊब जाना।

अकनाना अ.क्रि. (तद्.) सुनना, विशेषतः, ध्यान लगाकर सुनना।

अकनिष्ठ पुं. (तद्.) जो कनिष्ठ न हो।

अकपट वि. (तद्.) छल-कपट से रहित, निश्छल, निष्कपट।

अकबक पुं. (देश.) व्यर्थ या इधर-उधर की बात।

अकबकाना अ.क्रि. (देश.) व्यर्थ या इधर-उधर की बातें करना।

अकबर वि. (अर.) 1. सबसे बड़ा (व्यक्ति), महान 2. एक प्रसिद्ध मुगल सम्राट जो 1555 ई. से 1605 ई. तक भारत का शासक था।

अकबरी स्त्री. लकड़ी पर की जाने वाली एक विशेष नक्काशी जो पंजाब और उत्तर प्रदेश (सहारनपुर) में विशेष रूप से की जाती है वि. सम्राट अकबर या उसके शासन काल से संबंधित, जैसे- अकबरी लोटा, अकबर के जमाने का लोटा।

अकर वि. (तद्.) 1. न करने योग्य, अनुचित या अवांछनीय 2. कर से रहित, बिना हाथ का 3. जिस पर कर न लगता हो पु. (तद्.) आकर, खान।

अकरकरा पुं. (तद्.) क्षुप जाति का एक पौधा जिसकी जड़ दवा आदि के काम आती है।

अकरण वि. (तद्.) 1. इंद्रियों से रहित 2. जो करने योग्य न हो 2. अनुचित, अवांछनीय या दुष्कर पुं. करण अर्थात् अंग-रहित परमात्मा।

अकरणीय वि. (तद्.) जो करने योग्य न हो, अनुचित, बुरा, अवांछनीय विनो. करणीय।

अकरा वि. (देश./तद्.) 1. सामान्य मूल्य से अधिक मूल्य में मिलने वाला, महँगा 2. महँगा होने के कारण जिसे खरीदा न जा सके, अक्रेय 3. खरा, अच्छा।

अकराम पुं. (अर.) (करम का बहुवचन) 1. अति-कृपा, दया, बहुत मेहरबानी 2. सेवक आदि को दिया जाने वाला इनाम, बख्शीश 3. आभार 4. सम्मान, आदर।

अकराल वि. (तद्.) 1. जो कराल या भयंकर न हो 2. शांत या सौम्य।

अकरी स्त्री. (तद्.) 1. बीज बोने के लिए हल के पीछे लगाया गया जाने वाला बाँस का चोंगा 2. एक विशेष प्रकार का पौधा जो खेतों में अपने आप उग जाता है।

अकरुण वि. (तद्.) 1. करुणा से रहित, करुणाशून्य 2. कठोर, निष्ठुर या निर्दयी विनो. करुण।

अकर्कश वि. (तद्.) जो कर्कश न हो, कर्कशता से रहित, मृदु, अकठोर।